DB daily balod News

DailyBalodNews

(यह डेली बालोद न्यूज का ई प्रिंट है, खबरों और विज्ञापन प्रकाशन हेतु वॉट्सएप करें 9755235270 पर) हमारा न्यूज पोर्टल: dailybalodnews.com

अजब गजब: यहां सरकारी विभाग के केंद्र ने ही कर रखा था अवैध कब्जा, सीमांकन में सामने आया सच!

3 एकड़ जमीन पर पाया गया कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अवैध अधिग्रहण

बालोद। अब तक आपने गांव, शहर में जनता द्वारा अवैध कब्जे की बात सुनी होगी। लेकिन बालोद जिले में एक सरकारी विभाग के केंद्र द्वारा सरकारी जमीन को अवैध अधिग्रहण किए जाने का मामला सामने आया है। बात हो रही है अरौद में संचालित कृषि विज्ञान केंद्र की। जिनके द्वारा तीन एकड़ सरकारी जमीन को अवैध तरीके से अधिग्रहण किया गया था। इसका सच सीमांकन में सामने आया है। दरअसल में ग्राम विकास समिति के द्वारा एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर यह मांग की गई थी कि कृषि विज्ञान केंद्र के जमीन की सीमांकन कर हमें जानकारी दी जाए। इसके बाद विगत दिनों राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जमीन का नाप हुआ तो 3 एकड़ अतिरिक्त जमीन केंद्र के कब्जे में पाया गया। ज्ञापन में कहा गया रहा कि ग्राम पंचायत अरौद में कृषि विज्ञान केंद्र को जमीन समस्त ग्राम वासियों की सहमति से दिया गया था। लेकिन आज की स्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा मनमानी पूर्वक लगभग 50 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। जिसके संबंध में ग्राम के आम जनता में आक्रोश है। जिसके कारण ग्रामीण जन भविष्य में आंदोलन करने हेतु बाध्य हो सकते हैं। इसलिए कृषि विज्ञान केंद्र में राजस्व की टीम उपस्थित होकर ग्राम वासियों को बताएं कि कृषि विज्ञान केंद्र का कितना जमीन दिया गया है और उक्त जमीन कहां से कहां तक है और निस्तार हेतु जमीन ग्रामवासियों के लिए कितना बाकी है। इसका सीमांकन कर ग्राम वासियों को जानकारी देने की मांग एसडीएम से की गई थी। जांच में तीन एकड़ अतिरिक्त जमीन केंद्र के कब्जे में पाया गया। जिसे मुक्त किया जाएगा। सरपंच बिमलेश्वरी साहू ने बताया कि ग्रामीणों की सहमति से राजस्व विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र की जमीन की जांच कराई गई है। जिसमें लगभग 3 एकड़ जमीन केंद्र द्वारा अवैध अधिग्रहण पाया गया है।

चारागाह के लिए जगह नहीं

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार अरौद में मवेशियों के लिए चारागाह के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने के साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा झटका तार से अपनी भूमि को सुरक्षित करने के कारण आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था ।इसके कारण ग्रामीणों में आक्रोश था। वहीं अन्य जमीन के संबंध में जांच होगी या नहीं उसे ग्रामीणों द्वारा तय किया जाएगा। जिस जमीन पर ग्रामीणों को ज्यादा संदेह था फिलहाल इसकी जांच पटवारी और आर आई के माध्यम से कराई गई है।

अंतर्राष्ट्रीय दशम् योग दिवस पर योगमय रहा संपूर्ण बालोद जिला,सभी वर्गों के लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

जिला मुख्यालय बालोद के गंजपारा स्थित इन्डोर स्टेडियम में हुआ आयोजन

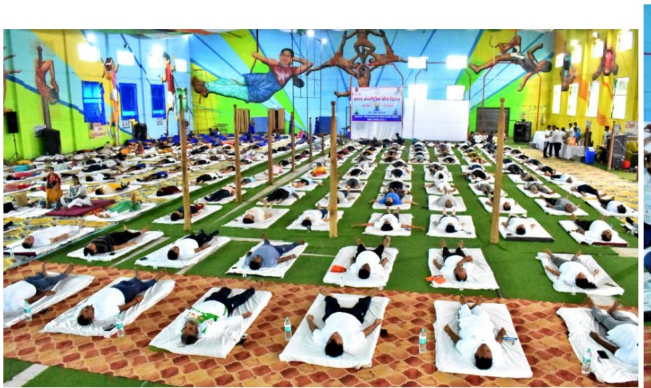

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दशम वर्ष के अवसर पर 21 जून को संपूर्ण बालोद जिला योगमय रहा। जिला मुख्यालय बालोद के अलावा जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालयों, नगरीय निकाय तथा शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों, ग्राम पंचायतों सहित जिले के अमृत सरोवर, आदि के अलावा आम लोगों ने अपने-अपने घरों में भी योगाभ्यास किया। जिला मुख्यालय बालोद के गंजपारा स्थित इंडोर स्टेडियम में आज आयोजित जिला स्तरीय दसवें योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग, गणमान्य नागरिक श्री पवन साहू एवं श्री चिमन देशमुख सहित कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक श्री एस.आर.भगत, सीईओ जिला पंचायत डॉ. संजय कन्नौजे, डीएफओ श्री बीएस सरोटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अशोक जोशी, एसडीएम श्रीमती शीतल बंसल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिमा ठाकरे झा, श्रीमती तरुणा साहू एवं सुश्री प्राची ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारियों के अलावा गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारियों, स्कूली विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग एवं अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर पूजा-अर्चना से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग ने बालोद जिले वासियों को दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना दी। श्री नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिला कर भारत को विश्व गुरू के रूप में स्थापित करने की पहली कड़ी को पूरा किया है। उन्होने योग के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि योग का अर्थ 'जोड़ना' होता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से मनुष्य के आंतरिक शक्तियों को जागृत कर, तन-मन को स्वस्थ रखने का अद्वितीय उपाय सुनिश्चित किया है। श्री नाग ने आम जनता से स्वस्थ व निरोग रहने के लिए अपने जीवन में योग को अपनाने की अपील भी की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जिलेवासियों को दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि योग अब केवल देश तक ही सीमित नहीं है अपितु पूरे विश्व में इसकी ख्याति फैल चुकी है। श्री चन्द्रवाल ने कहा कि हमारे शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर सांसद एवं अतिथियों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय आयोजन में लगातार पिछले 10 वर्षों से योगाभ्यास कराने के लिए योग गुरू श्री पुरुषोत्तम सिंह राजपूत एवं उनकी सुपुत्री सुश्री टेमिन राजपूत को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर योगाचार्य श्री पुरूषोत्तम सिंह राजपूत एवं अन्य योगाचार्यो के द्वारा उपस्थित लोगो को सामूहिक योगाभ्यास कराते हुए प्रत्येक आसनों के महत्व एवं उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी। योगाभ्यास की शुरूआत पवित्र ओंकार मंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। इसके पश्चात् सूक्ष्म व्यायाम, ग्रीवा चालन, हस्त चालन, स्कंध संचालन के पश्चात् ताड़ासन, वृक्षासन, शिथलीकरणआसन, उस्त्रासन, अध्रचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, शशंाकासन, उत्तानमंडूकासन, भुजंगासन, मरिच्चयासन, मकरासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, शवासन के साथ-साथ प्राणायाम के अंतर्गत अनुलोम-विलोम, कपाल भांती, भ्रामरी प्राणायाम कराया गया।

गुरुर में शिक्षकों ने दिया संदेश : करें योग - रहें निरोग

जुलाई में एक पौधा रोपण कर उसकी देखभाल एवं सुरक्षा की शपथ ली

गुरुर। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विकास खंड -गुरुर में प्रशिक्षणार्थी शिक्षक -शिक्षिकाओं ने योग एवं प्राणायाम जिसमें प्रमुखता से शंशाक आसन, पद्मासन, वृक्षासन, बज्रासन , प्राणायाम , सूर्य नमस्कार, यौगिक क्रिया का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर बी आर सी सी चन्द्रभान सिंह निर्मलकर ने कहा कि योग भारत में सनातन काल से दैनिक क्रियाओं में से एक है। महर्षि पतंजलि इसके जनक माने जाते हैं। शरीर और मन को एकाग्र करना ही योग है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। जटिल रोगों से भी हम योग की सहायता से मुक्त होकर स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं। आने वाले पीढ़ी को हम योग से परिचित करा कर स्वस्थ एवं सम्पन्न भारत का निर्माण करेंगे। इस कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ललित कुमार चन्द्राकार, योग प्रशिक्षक हरीश कुमार साहू माध्यमिक विद्यालय बगदई, एफ एल एन प्रभारी रमाकांत सिन्हा,एसआरजी पीताम्बर साहू, सी ए सी नरेन्द्र कुमार साहू, महेश्वर राजपूत,श्याम लाल सिन्हा,दिलीप कुमार साहू, मोहित कुमार चुरेन्द्र, कृष्ण कुमार साहू, डीआरजी दिलीप कुमार साहू, मोहन सिन्हा, सन्तोष कुमार डहरे, श्रीमती मेनका कटेंन्द्र , इन्दिरा उइके, पुष्पा साहू एवं विकास खंड के 155 शिक्षक -शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने माह जुलाई में एक पौधा रोपण कर उसकी देखभाल एवं सुरक्षा की शपथ ली।

दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस राजहरा नगर पालिका के प्रांगण में संपन्न हुआ

स्वास्थ्य के लिए उत्तम साधन योग - नपा अध्यक्ष शिबू नायर

दल्लीराजहरा -अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन शिबू नायर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री आर के साहू के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ इसी तारतम्य में कार्यालय प्रांगण में उपमुख्यमंत्री एवं भारसाधक मंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री अरुण साव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण एवं श्रवण प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक कपिशचंद पांडेय व्यास्थाता स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय नया बाजार द्वारा सामान्य योगाभ्यास में सबसे पहले मंगलाचरण उसके बाद खड़े होकर किए जाने वाले योगाभ्यास ताड़ासन वृक्षासन स्कंध संचालन अर्ध चक्रासन आदि आसनों के लाभ पर चर्चा एवं अभ्यास किया गया। इसी तरह बैठकर किए जाने वाले आसनों में भद्रासन,वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन का अभ्यास एवं सावधानियों पर चर्चा हुई। प्राणायाम, कपालभाति, शीतली भ्रामरी, नाड़ी शोधन के साथ ध्यान एवं संकल्प योग कराया गया। इस आयोजन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्ष शिबू नायर ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए उत्तम साधन योग को बताया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर के साहू ने शारीरिक एवं मानसिक सेहत के लिए योग बेहद फायदेमंद है यह शरीर को न केवल रोग मुक्त रखता है,बल्कि मन को शांत करने में मदद करता है। योग दिवस के अवसर पर पार्षद रुखसाना बेगम, रोशन पटेल,स्वप्निल तिवारी, चंद्रप्रकाश, स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर,अभियंता योगानंद सोम, लेखापाल शिवाजी प्रसाद एवं नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी सहित सफाई दीदी उपस्थित रहे।

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अर्जुंदा में गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह ने किया योग

अर्जुंदा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अर्जुंदा में गुंडरदेही विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद शामिल होकर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में योग के विभिन्न आसन व प्राणायाम किया। विधायक ने कहा कि आज योग हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि लोग इसे लगातार अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। इसे करने से केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक तौर पर भी कई सारे फायदे पहुंचते हैं। योग की इसी अहमियत को देखते हुए हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस मनाया जाता है। यह दिन खासतौर पर योग से होने वाले कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से मनाया जाता है। योग एक प्राचीन अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई और इसने अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के लिए दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है।

जनमुक्ति मोर्चा ने मनाया संकल्प दिवस दी शहीदों को श्रद्धांजलि

शहीद वीर नारायण सिंह के संघर्षों पर आधारित नाटक का भी मंचन

दल्लीराजहरा - 2,3 जून 1977 को पुलिसिया गोलीकांड में शहीद हुए 14 वर्षीय बालक सुदामा सहित 11 मजदूर साथी के शहादत को याद कर संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया जिसमे साम 06 बजे जन मुक्ति मोर्चा छत्तीसगढ़ के सैकड़ो कार्यकर्ता जन मुक्ति मोर्चा कार्यालय में एकत्रित होकर रैली के माध्यम से शहीद स्मारक शहीद चौक दल्ली राजहरा वार्ड नं 14 पहुंच कर शहीदो को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया और नवाविहान के साथियों द्वारा जन गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की सुरुवात किया गया और कॉ. बसन्त राव्टे, कॉ मूलचंद चंदेल, कॉ मोहन कुमेटी ने अपनी बात रखी और मंच संचालन कॉ भागिरती ने किया। रात्रि 9 बजे शहीद वीर नारायण सिंग के संघर्षों पर आधारित नाटक का भी मंचन शहीद चौक के दुर्गा मंच पर किया गया और इसी कड़ी में दूसरे दिन 04 जून को भी रात्रि 09 बजे ग्राम कोंडेकसा में भी इसी कार्यक्रम का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में आम जन उपस्थित हुए।

गुप्ता चौक में राजहरा व्यापारी संघ ने किया नवनिर्वाचित सांसद भोजराज का ऐतिहासिक स्वागत,तौला लड्डू से

दल्लीराजहरा :- दल्लीराजहरा राजहरा व्यापारी ने 20 जून 2024 को राजहरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष गोविन्द वाधवानी के नेतृत्व में शहर के हृदय स्थल गुप्ता चौक में आज कांकेर लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसद भोजराज नाग का ऐतिहासिक स्वगात किया गया जिसमें राजहरा व्यापारी संघ के मंच में पर आज नवनिर्वाचित सांसद भोजराज नाग के साथ प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष पवन साहू , भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर , लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम, जिला महामंत्री राकेश यादव, व्यापारी संघ के संरक्षक झुमरमल छाजेड़ व व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी मंचस थे। व्यापारी संघ के इस स्वागत कार्यक्रम में साहू समाज , सेन समाज , मुस्लिम समाज , सिन्धु समाज , कुर्मी समाज , मानिकपुर समाज एवं अन्य सामाज के प्रमुखों ने फूल माला पहना कर सांसद भोजराम का स्वगात किया गया। साथ ही राजहरा व्यापारी संघ द्वारा सांसद भोजराज नाग को तराजु में लड्डू में तौला गया वही लड्डू को आम जनता को बाटा गया। व्यापारी संघ के इस स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुदेश सिंग, राजू कुकरेजा, राजेश दशोडे , सुरेश जायसवाल, शीतल नायक , गीता मरकाम,टी ज्योति,प्रमिला परकार, मंजीत कौर, रमेश जैन , विशाल मोटवानी, मनोज दूबे, मुस्ताक अहमद, विजयभान सिंह, जयदीप गुप्ता, स्वाधीन जैन, आशीष लालवानी ,हितेश कुमार, ललित जैन, मुकेश श्वास व व्यापारी संघ से अशोक लोहिया, राघवेंद्र शर्मा, संदीप गोगड़, महावीर चोपड़ा, प्रेम जायसवाल, आलोक जैन ,अमित जायसवाल, क्रांति जैन, बादशाह लालवानी आदि सैकड़ो की संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

जिले में कबीर जयंती के अवसर पर 22 जून को शुष्क दिवस घोषित

बालोद | छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अधिकारी श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कबीर जयंती के अवसर पर 22 जून को जिले के देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान बालोद एवं विदेशी मदिरा दुकान तथा मद्य भण्डागार बालोद को पूर्णतः बंद रखने हेतु शुष्क दिवस घोषित किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अधिकारी श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 24 की उपधारा(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते जिले के देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान एवं विदेशी मदिरा दुकान तथा समस्त मदिरा दुकानों से संलग्न अहाता को 22 जून (सम्पूर्ण दिवस) को बंद रखने के निर्देश दिए है। इस अवधि में मदिरा का संव्यवहार पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

महतारी वंदन योजना बना महिलाओं के आर्थिक संबलता एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कारगर माध्यम

बालोद | छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में लागू की गई महतारी वंदन योजना राज्य के महिलाओं को आर्थिक संबलता प्रदान करने तथा उन्हे आत्मनिर्भर कारगर माध्यम बन गया है। समाज के सभी वर्गो के महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होने के कारण यह योजना राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत निर्णायक साबित हो रहा है। इस योजना की प्रासंागिकता एवं महत्व का आंकलन इस बात से किया जा सकता है कि योजना की सराहना अनेक जरूरतमंद महिलाओं के अलावा आंगनबाड़ी केन्द्र के कर्मचारियों ने भी मुक्त कंठ से की है।

इस योजना की सराहना करते हुए जिले के बालोद विकास खण्ड के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02 झलमला की कार्यकर्ता चन्द्रिका सिन्हा ने इस योजना से मिलने वाली राशि को जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बताया। उन्होने कहा कि समाज के निम्न एवं मध्यम वर्ग के अनेक महिलाएं जिन्हे अपने जरूरी तथा अनेक छोटे-बड़े आवश्यकताओं के लिए परिवार के मुखिया के उपर आश्रित रहना पड़ता है। जिसके कारण महिलाओं को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन राज्य सरकार के द्वारा महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना लागू हो जाने से प्रतिमाह उनक खाते मे 1000 रू. जमा हो जाने से अब महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आसानी से पैसा उपलब्ध हो जाता है। उन्होने कहा कि राज्य की महिला महतारी वंदन योजना से मिले राशि का उपयोग अपने एवं अपने परिवार की इलाज-पानी करने के अलावा बच्चों के पढ़ाई-लिखाई तथा उनके लिए पौष्टिक भोजन के प्रबंध करने में कर रही है। चन्द्रिका सिन्हा ने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह उनके खाते में 1000 रू. की राशि जमा होने से उसमें आत्मविश्वास जागृत होने के साथ-साथ सुरक्षा का भी बोध हो रहा है। जिससे वे प्रसन्नचित होकर हंसी-खुशी के साथ अपनी ड्यूटी कर पा रही है।

इस योजना की सराहना आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02 ग्राम झलमला की सहायिका श्रीमती रेणुका साहू ने की है। उन्होने कहा कि इस योजना की राशि सीधे संबंधित महिला हितग्राही के खाते में जा रही है। जिसके कारण वे इस राशि का उपयोग अपने जरूरत के कार्यो के लिए कर पा रही है। जिसके कारण हम महिलाओं को आत्म विश्वास एवं सुरक्षा का भी बोध हुआ है। उन्होने इस योजना को राज्य के महिलाओं के लिए हर दृष्टि से उपयोगी एवं लाभप्रद बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति विनम्र आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हृदय से आभार व्यक्त किया है।

अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने हेतु आमजनों से 31 जुलाई तक सुझाव आमंत्रित

वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु परिकल्पना को साकार करने के लिए राज्य के लिए 'अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047' तैयार किया जा रहा है। राज्य नीति आयोग द्वारा इस संबंध में आम जनता से वेबसाइट https://sdgspc.cg.gov.in/viksiteg/#/home के माध्यम से 31 जुलाई 2024 तक सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना को साकार करने में छत्तीसगढ़ राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में भी वर्ष 2047 तक सभी सेक्टरों के त्वरित विकास को सुनिश्चित करने हेतु राज्य नीति आयोग के द्वारा 'अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047' डाक्यूमेंट तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। बालोद जिला प्रशासन द्वारा जिले के आम नागरिकों से वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ राज्य के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने हेतु तथा विभिन्न सेक्टरों में चँहुमुखी विकास हेतु अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की है। इसके लिए जिले के आम नागरिकों को 31 जुलाई 2024 तक राज्य नीति आयोग द्वारा जारी किए गए लिंक के माध्यम से अनिवार्य रूप से सुझाव प्रेषित करने को कहा गया है।

ग्राम अकलवारा से नरबदा के बीच क्षतिग्रस्त पुल के जिर्णोद्धार के लिए जनपद सदस्य संध्या साहू ने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

कलेक्टर ने जल्द मरम्मत का दिया है आश्वासन

गुरुर। ब्लॉक के ग्राम अकलवारा से नरबदा के बीच खारून नदी पर स्थित जर्जर हो चुके पुल के नवनिर्माण और जीर्णोद्धार और मरम्मत के लिए जनपद सदस्य संध्या अजेंद्र साहू ने कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल को ज्ञापन सौंपा है। बता दें कि इस मुद्दे को लेकर पूर्व में भी जनपद सदस्य द्वारा आवाज उठाई गई थी। इस संबंध में हमने प्रमुखता से खबर भी प्रकाशित की थी। इसके बाद संबंधित विभाग ने मरम्मत करवाने की बात भी कही थी। बता दे कि उक्त पुल काफी जर्जर हो चुका है। पुल जिन खंभों पर खड़ा हुआ है वही उखड़ने लगा है। तस्वीर में पुल के उखड़े की स्थिति साफ दिखाई दे रही है। जिससे कभी भी बड़ी घटना की आशंका बनी हुई है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए जनपद सदस्य संध्या अजेंद्र साहू ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर इस पर ध्यान देने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि गुरुर विकासखंड में आने वाले ग्राम अकलवारा से नरबदा के बीच 20 वर्ष पूर्व निर्मित खारून नदी पर बनी हुई पुल वर्तमान समय में जर्जर व पीयरों के नीचे खोखली हो गई है, जिसके कारण पूरा पुल कभी भी गिर सकता है और बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती है। बरसात के पहले कोई जान माल की हानि ना हो व आम जनता को आवागमन में असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द इस पुल की मरम्मत की जाए। साथ ही इसका जीर्णोद्धार कर नया पुल भी यहां बनाया जाए। ज्ञापन के दौरान पुल के नवनिर्माण को लेकर भी चर्चा हुई। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग से इस्टीमेट बनवाने का आश्वासन दिया है। तो वहीं वर्तमान जर्जर पुल पीलर की मरम्मत हेतु जल्द से जल्द काम शुरू करवाने की बात भी कलेक्टर ने कही है। ज्ञापन देते समय गुरुर जनपद पंचायत की जनपद सदस्य संध्या साहू, चांदनी देवांगन जनपद सदस्य, अजेंद्र साहू महामंत्री युवा मोर्चा गुरुर, भोजराम देवांगन किसान मोर्चा उपाध्यक्ष गुरुर, सरपंच खर्रा राधिका साहू उपस्थित रही।

स्कूली बसों की हुई चेकिंग , 13 बस संचालकों पर 12100 रू. की हुई कार्रवाई, 7 दिन के भीतर खामियां दूर करने का निर्देश

आरटीओ एवं यातायात विभाग बालोद ने संयुक्त रूप से किया चेकिंग शिविर का आयोजन

बालोद| शिक्षण सत्र 2024 प्रारंभ होने के पूर्व ही आरटीओ एवं यातायात विभाग बालोद ने संयुक्त रूप से जिले में संचालित स्कूली बस का चेकिंग शिविर का आयोजन किया.जिले में संचालित 35 स्कूल बसों का निरीक्षण किया गया। 13 स्कूली बसों में खामी पाएं जाने पर कार्यवाही भी की गई साथ ही खामी पूर्ति कर अवगत कराने निर्देश दिए गए हैं.परिवहन विभाग बालोद एवं यातायात विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 35 स्कूली बसों का निरीक्षण परिवहन कार्यालय बालोद के सामने किया गया। स्कूली बसों के निरीक्षण के दौरान बसों को माननीय सुप्रीम कोर्ट के गाईडलाइन के अनुसार फर्स्ट एड बॉक्स, पैनिक बटन, इमरजेंसी डोर, सीसीटीवी कैमरा दुरुस्त रखने डायल 112/पुलिस कंट्रोल रूम का नंबर बोर्ड में लिखवाने, नर्सरी एवं छोटे बच्चों के लिए महिला परिचालिका रखने, स्कूली बस्तों को रखने के लिए पर्याप्त स्थान रखने संबंधी महत्वपूर्ण निर्देशों के अनुरूप बसों को चेक किया गया। खामी पाएं जाने वाले 13 स्कूल बस संचालकों पर 12100 रुपये. की कार्यवाही भी किया गया है। स्कूल बस चालकों एवं संचालकों को हिदायत दिया गया है कि 07 दिवस के अंदर खामीपूर्ती कर परिवहन विभाग बालोद को अवगत कराएं। स्कूली बस चालकों/संचालकों एवं लायसेंस बनवाने आएं आम जनों को वाहन चलाते समय सदैव यातायात नियमों को पालन करने, जिम्मेदार नागरिक बनने, सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरुक रहने की हिदायत दिया गया साथ ही जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने कर्तव्यों के प्रति सजगता से पालन करने की समझाईश दिया गया है। संयुक्त निरीक्षण के दौरान श्री प्रकाश राबटे जिला परिवहन अधिकारी बालोद, निरीक्षक राकेश ठाकुर प्रभारी यातायात बालोद, आरटीओ बालोद एवं यातायात स्टाफ, विभिन्न स्कूलों के बस चालक एवं संचालक उपस्थित रहें।

अमृत सरोवर के कार्यों को शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने आज जिला पंचायत बालोद के सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत वर्षा ऋतु के पूर्व समस्त मिट्टी कार्यों का मूल्यांकन एवं सत्यापन तकनीकी अमलों द्वारा पूर्ण कराते हुए माह अंत तक पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने शासन की महत्वपूर्ण मिशन अमृत सरोवरों के स्वीकृत निर्माण कार्य को 07 दिवस के भीतर अनिवार्यतः पूर्ण किये जाने तथा अपूर्ण निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्वक शीघ्र पूर्ण किये जाने समस्त जनपद पंचायतों के कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान रोजगार उपलब्ध कराने हेतु अनुमेय कार्यों में से प्रधानमंत्री आवास, नवीन पंचायत भवन, आंगनबाड़ी भवन, बकरी-मुर्गी-पशु शेड, नाडेप वर्मी टाका, नर्सरी तैयार कार्य एवं वृक्षारोपण कार्य इत्यादि स्वीकृति कराते हुए कार्य कराने के निर्देश दिए।

डॉ. कन्नौजे ने सामाजिक अंकेक्षण प्रकरणों में प्रगति लाने एवं वसूली में आ रही समस्या वाले प्रकरणों में एस.डी.एम कार्यालय में प्रकरण दर्ज कराते हुए एक माह के भीतर निराकरण कराने का निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक जनपद पंचायतों से कम से कम 02 ग्रामों में योजनाबद्ध तरीके से सिंचाई नाली कुलाप के पास अथवा प्राकृतिक नाला के चेकडेम निर्माण के पास से कच्ची नाली निर्माण व डबरी निर्माण की प्रस्ताव 07 दिवस के भीतर प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल शक्ति अभियान के तहत 'नारी शक्ति से जल शक्ति' में महिलाओं की सहभागिता एवं अभियान अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में गतिविधियों जैसे रैली, दीवार लेखन, रंगोली का आयोजन कराने के साथ ही अधिक से अधिक सोख्ता गड्ढा, सोकपिट, रिचार्ज पिट, मैजिक पिट कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में स्वच्छता को ध्यान रखते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर में घर-घर से कचरा एकत्रीकरण करने निर्देश दिये, कचरा संग्रहण शेड एवं मैजिक पिट के कार्यों को प्राथमिकता से लेकर 15 दिवस के भीतर पूर्ण करने निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा, जिला समन्वयक एसबीएम, आवास, शिकायत समन्वयक, जिला पंचायत बालोद एवं जनपद पंचायत के कार्यक्रम अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

बालोद में मेडिकल कॉलेज और कृषि कॉलेज को आगामी बजट में शामिल करने जनसेवक राकेश यादव ने सांसद भोजराज नाग को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता | बालोद

बालोद । बालोद प्रवास के दौरान नवनिर्वाचित सांसद भोजराज नाग को बालोद के वरिष्ठ भाजपा नेता और जन सेवक राकेश कुमार यादव (संजारी बालोद विधानसभा प्रत्याशी (2023),पूर्व प्रदेश मंत्री भा.ज.पा.,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने जिले के दो मुद्दों मेडिकल कॉलेज और कृषि कॉलेज को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के जरिए राकेश यादव ने कहा कि बालोद मे कृषि महाविद्यालय प्रारंभ किया जाए। बालोद जिला एक कृषि प्रधान जिला है। इस जिले मे डैम का कॉम्प्लेक्स तांदुला जलाशय, सूखा जलाशय, गोंदली जलाशय, खरखरा जलाशय, मटिया मोती जलाशय स्थित है तथा धमतरी के गंगरेल डेम का पानी गुरुर ब्लॉक को सिंचित करता है। कृषि के मामले मे बालोद जिला बहुत समृद्ध है। बालोद जिले के गुरुर विकासखंड मे राष्ट्रीय उत्पादन के औसत से ज्यादा प्रति हेक्टेयर गुरूर के किसान ले रहें है। किसानों को आधुनिक तकनीक से प्रशिक्षित करने के लिये एवं बालोद के नौजवानों को कृषि आधारित शिक्षा हेतु बालोद में कृषि महाविद्यालय की स्थापना किया जाना अति आवश्यक है। कृषि विज्ञान केन्द्र बालोद जिला मे ग्राम अरौद में स्थित है। इसलिए आगामी बजट में बालोद जिला मे कृषि महाविद्यालय खोलने की पहल की जाए। इसी तरह बालोद जिला में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किया जाए। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में बालोद जिला का गठन हुआ है। बालोद जिले के लोगो को अच्छे स्तर की स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये एवं बालोद जिले के विद्यार्थियों को मेडिकल कॉलेज में पढ़ने का अवसर मिले इसलिये बालोद में प्रधानमंत्री जी के इच्छा के अनुरूप देश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना है। उन्होंने सांसद से मांग किया कि इस वर्ष के बजट में बालोद जिला को शामिल किया जाए। बालोद जिला खनिज न्यास निधि में 85 करोड़ रुपये का बजट होता है। राज्यांश हेतु खनिज न्यास निधि से 50 करोड़ रुपये की राशि खनिज न्यास निधि से मेडिकल कॉलेज खोलने हेतु उपलब्ध हो सकता है। मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करके बालोद जिला के जनता जनार्दन को अनुग्रहित किया जाए।

सड़क सुरक्षित नहीं : बारिश पूर्व सड़को के संधारण एवं मरम्मत कार्य कराने सौपा गया ज्ञापन, ईई को बताया गया कहां कैसे हैं हालात

संवाददाता | बालोद

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पार्षद एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश सोनी के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता सड़क कार्य एम प्रसाद को बारिश से पहले शहर के मुख्यमार्ग एवं तांदुला पुल के ऊपर हुए गड्ढे को मरम्मत कराने ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के संदर्भ में कमलेश सोनी ने बताया कि बारिश का मौसम प्रारम्भ होने वाला है। वहीं शहर के सड़कों में जगह जगह गड्ढे हो जाने के कारण वाहन चालकों के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रात्रि में गड्ढे दिखाई नही देते जिससे दो पहिया वाहन चालक कई बार दुर्घटना का शिकार भी हो चुके हैं । बालोद से राजनांदगांव मुख्यमार्ग के इंदिरा चौक से ग्राम जूँगेरा तक सड़क में जगह जगह डामर उखड़ने एवं बड़े बड़े गड्ढे होने से इस मार्ग में भी वाहन चालकों के साथ दुर्घटना होने से इनकार नही किया जा सकता। पाररास से जूँगेरा तक डामरीकरण की आवश्यकता है। ताकि सड़को में बने गड्ढे की भरपाई हो सके। वहीं तांदुला पुल के ऊपर गड्ढे हो जाने एवं पुल के ढलाई का सरिया बाहर आ जाने से भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारी ने त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालो में पूर्व एल्डरमेन विनोद जैन मोनू, शहर महामंत्री नरेंद्र सोनवानी ,भाजयुमो कार्यकर्ता पिंटू सारथी, तुलेश साहू चेतन निर्मलकर आदि उपस्थित थे।

छात्रावास एवं आश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अनुबंधित निजी चिकित्सक हेतु 08 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

बालोद| जिले में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित ऐसे छात्रावास एवं आश्रमों में 'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन' योजना अंतर्गत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु निजी चिकित्सक से अनुबंध हेतु आवेदन 08 जुलाई 2024 तक आवेदन आमंत्रित की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग श्रीमती मेनका चन्द्राकर ने बताया कि जिले छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत् छात्र-छात्राओं का एमबीबीएस एवं बीएएमएस स्तर के निजी चिकित्सकों से अनुबंध कर उनका नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा सत्र 2024-25 के लिये अनुबंध की शर्तों की अधिक जानकारी संयुक्त जिला कार्यालय स्थित आदिवासी विकास शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

कबीर जयंती 22जून " विशेष - "संत कबीर दर्शन" - मदन मंडावी ग्राम -टारा (करेला) डोंगरगढ़ 7693917210

(१) तर्कवादिता, सत्य आचरण,
भावनाएं ना हो कभी कुंठित।
सद्भावना, समानता का संदेश,
देते जैसे संत कबीर।।
(२) जाति धर्म से न कोई छोटा बड़ा,
बनते ना कोई नीच।
माया लोक से मुक्त हो चलो,
खींचो ना कोई जंजीर।।
(३) कबीर वाणी अंधत्व निवारण,
कर्मकाण्ड को करते चीर।
चिंतन में सेवाभाव हो प्रधानता,
समर्पण की बने शरीर ।।
(४) मूर्ति पूजा, रोजा ,ईद और,
फिरे मस्जिद मंदिर -मंदिर।
वेद ,पुराण, कुरान, बाइबिल,
खरीदते राजा रंक- फकीर।।
(५) कबीर कवि,दार्शनिक,
साक्षात करते दर्शन जगदीश।
ज्ञान कर्म को महान बताते
पूजते ना कोई तस्वीर ।।
(६) हो भाव ग्रहण गुण, उत्कर्ष,
विशिष्टता कांटे ना कोई पीर।
अनुभव की है बात कबीरा,
ना जाति धर्म न कोई तीर्थ।।
(७) पाप - पुण्य सब माया काया,
भटकते रहे आत्म शरीर।
कहे कबीर तन धोओ पर मन गन्दा,
फिर कैसे बने प्रतिबिंब ।।
(८) सृष्टि में पांच तत्व है, और
पंचतत्व का बने शरीर।
छल ,कपट ,रोग,दोष को दूर,
करे कोई बनकर संतकबीर।।

ज़िन्दगी एक तलाश है - लक्ष्मीकांत वैष्णव " अबोध " बेलटूकरी , खरियारोड़ ओड़िशा

ज़िन्दगी एक तलाश है , अबूझ - सी तलाश है ।
दूर बहुत लगती है , क्योंकि बहुत पास है ।।
आदमी मुसाफिर है ,सफर और मंजिल भी ।
बहता - सा दरिया है,ठहरा - सा साहिल भी ।।
आदमी ही पानी है , आदमी ही प्यास है ।
ज़िन्दगी तलाश है , अबूझ - सी तलाश है ।।
आदमी खिलावट की, घुटनी अकुलाहट है ।
इंतजार अपना ही, अपनी ही आहट है ।।
पाये को पाने की तड़प का अहसास है ।
ज़िन्दगी तलाश है , अबूझ - सी तलाश है ।।
सत्य के सफर में तो ,चलना है रुक जाना ।
रुकना है परिधि पर से ,केन्द्र पर सिमट आना ।।
केन्द्र ही की माया तो परिधि , वृत्त , व्यास है ।
ज़िन्दगी तलाश है , अबूझ - सी तलाश है ।।

अइसन मोर अर्जुनी गाँव हे... नोकेश तांडे, जिला बालोद

किसिम किसिम जिहां के कहानी,
मेहत्तर दाऊ के रिहिस सियानी।
देखा देखी के मरम नई जाने,
सबके बुता हरे जी खेती किसानी।
चउक म सुग्घर पीपर छाँव हे,
अइसन मोर अर्जुनी गाँव हे...
तरिया पार म बइठे शीतला मइया,
बजरंगबली ल सुमिरँव गा भइया।
पुरखा शक्ति के आसीस पाथन,
हरन जी हम गोदी माटी कमईया।
देवी देवता के परे इहाँ पाँव हे,
अइसन मोर अर्जुनी गाँव हे...
लामी गली म मिले नीही भूलकी,
हेबे नायक मंडल अउ नाउ कोलकी।
पग पग म मिलहि कलाकार तोला,
इहाँ कतको बजईया गुदुम ढोलकी।
चिरई चुरगुन के चिंव चांव हे,
अइसन मोर अर्जुनी गाँव हे...
एकेच जगर हेबे डबरी अउ बरदी,
पानी रथेच रहे गरमी चाहे सरदी।
गजब के मड़वा नाचथे इहाँ सँगी,
बिहाव म चढ़थे जब तेल हरदी।
मोर नोकेश तांडे जी नाव हे,
अइसन मोर अर्जुनी गाँव हे...

महतारी के मया लोकनाथ यादव ग्राम,दानी कोकड़ी धमधा जिला दुर्ग 6267741572

दुख पिरा सहिके दाई,मोर बर मया घोरत देखे हव
नान्हे ले तै हमला पाल पोस के बड़े करे।
पेड़ कस सिरजाके हमला,आज दुनिया म खड़े करे।
भात हमला खवाके,बासी तोला जोरत देखे हव।
दुख पिरा सहिके दाई,मोर बर मया घोरत देखे हव।।
बनी भूती करके पढ़ाएं लिखाए तै हमला।
ख़ुद अनपढ़ होके,सुग्घर रद्दा दिखाए तै हमला।।
तिपत भोंभरा म,तोला मै पखरा फोरत देखे हव।
दुख पिरा सहिके दाई,मोर बर मया घोरत देखे हव।।
अंधियारी जिंनगी ल अंजोर करे बर उमर पहादेस।
भूख झन मरे कहिके,मेहनत मजदूरी म पसीना बोहादेस।।
बेरा कुबेरा दाई तोला मै,गोदी कोड़त देखे हव।
दुख पिरा सहिके दाई,मोर बर मया घोरत देखे हव।।
जुन्ना लुगरा म रहिथे,फेर लईका बर नवा बिसाथे वोहा।
घस लेथे चूल्हा के राख,फेर कोलगेट मोला घिसाथे वोहा।।
अकवार बकवार म दाई,तोला मै दत्वन टोरत देखे हव।
दुख पिरा सहिके दाई,मोर बर मया घोरत देखे हव।।
थकगे जांगर तभो,सियानी रद्दा बतावत रहिथे।
सुनके करू बोली,मीठ ल गज़ब जतावत रहिथे।।
कनिहा कुबर टूटगे,तभो वोला मै रद्दा जोड़त देखे हव।
दुख पिरा सहिके दाई,मोर बर मया घोरत देखे हव।।

लेख एक दिव्यांग की कलम से : मनरेगा पिन्टू राम साहू गांव-बकतरा, तहसील-अमनपुर जिला-रायपुर

मनरेगा जो सरकार के द्वारा गांव में बेरोजगारों को गांव में ही रोजगार दिया जाता है जिसके अंतर्गत मनरेगा कार्य आता है , मनरेगा का कुछ लोग गलत अर्थ निकालते हैं ,, जैसे प्रशासन इसके कार्य को प्रारंभ करके लोगों को आलसी बना दिया, सरकार पैसे का दुरुपयोग करना, और एक नया घोटाला लेकिन मेरे अनुभव से मनरेगा का कार्य प्रकृति को बचाना है। जल, जंगल, जमीन, को सुरक्षा प्रदान करना है, गांव के सुख-सुविधा के लिए अनेक कार्य जैसे वृक्षारोपण, तालाब गहरीकरण साफ-सफाई, खेती में सुधार, नरवा, गोहा की मरम्मत एवं साफ-सफाई या गांव के नल जल संरक्षण के तहत साफ-सफाई करना हो,, ऐसे अनेकों कार्य हमारे गांव एवं खेती खलिहान, जल संरक्षण के लिए हुए जो कि बहुत ही कारगर साबित हुआ, मनरेगा कार्य के अंतर्गत गांव के वातावरण काफी सुधार देखने को मिला, गांव वाले भी मनरेगा के कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए और मनरेगा के सभी कार्य में काफी उत्साह देखने को मिला, कई परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया, साथ ही कई लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी लाभ मिला। जिसमें मैं भी शामिल हूं, मेरे गांव (बकतरा तहसील-अमनपुर जिला-रायपुर छत्तीसगढ़)में इस वर्ष 2024 मनरेगा कार्य में लगभग 85 से 90 लाख रुपए का कार्य हुआ जिसमें गांव के गरीब एवं सामान्य परिवार के लोग भी शामिल हुए साथ ही दिव्यांग जन भी शामिल हुए, मनरेगा कार्य में "एक वर्ष में कम से कम 100 दिनों की गारंटीकृत सरकार के द्वारा किया गया है जिससे मजदूरी रोजगार प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया,इस वर्ष हमारे गांव में ऐसे कई परिवार है जिसके मनरेगा कार्य 100 दिन पूरा हो गया। मेरा सौभाग्य रहा कि मैं (पिन्टूराम साहू /दिव्यांग 90%)भी इस मनरेगा "महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी" के कार्य में शामिल हुआ और अपना योगदान दिया इसके लिए मैं अपने क्षेत्र के सीईओ सर , इंजीनियर सर , रोजगार सहायक गांव के कार्यरत सभी मेट भाई-बहन तुल्य सरपंच-पंच सभी का आभार प्रकट करता हूं कि आप सभी के एकता एवं निष्ठा से मनरेगा 2024का कार्य सफल रहा। धन्यवाद

छत्तीसगढ़ी व्यंग्य आलेख: लोटा , बेल औ नचई के किस्सा,,, -गिरवर दास मानिकपुरी वरिष्ठ गीतकार,साहित्यकार, कलाकार दुर्ग

बिसाहिन : कहां ले आवत हस काकी घांम म लहंग लहंग?
बिसाखा: अस्पताल गे रेहेंव नोंनी .
बिसाहिन: कइसे ओ का होगे.
बिसाखा: ओ रोगहा मांड़ी कनिहा कोथा पिरावत हे तेंन मांड़े नइये.
बिसाहिन: अइ तैं तो बिहनिया ले मंदिर जाथस जल बेल पान चढ़ावत हस।
बिसाखा: चढ़ावत तो हंव नोंनी.
बिसाहिन: त तंही तो कहस ओ।एक लोटा जल सब समस्या के हल। तेखर का होइस।
बिसाखा: फुसका होइस। छः महिना होगे ए उदिम करत। हऊंला दू हऊंला होगे जल पियत।अउ नहीं नही म एक झऊंहा बेल पान ल चगल डरेंव।
बिसाहिन: फेर फायदा नइ होइस का।
बिसाखा: फायदा होइस बेटी। मोला मटकाय बर नइ आवत रहिस तेन बनें नांचे बर सिखगेंव।
बिसाहिन: खैरागढ़ के स्कुल म?
बिसाखा: नहीं रे बैरी।उहँ या कथा सुनें ल जाथंन तिंहा.
बिसाहिन: वाह काकी वाह। त बनें ताल म नांचत होबे काकी.
बिसाखा : अइ ताल म कावर नांचबो या। ताल पतरी बिछे हे तेमा नांचथंन.
बिसाहिन : ले बनें हे।कुछु तो फायदा होइस .
बिसाखा : कोनों मेर बाजा वाजथे। रोगहा नांचेच के मन होथे या। एक दिन तो अलकरहा होगे .
बिसाहिन: का होगे काकी .
बिसाखा: हमन मछरी मारे बर टरक के टीव म हवा भरके राखे हन ।उही मेर मैंहा साग सुधारत बइठे रेहेंव। वोतके बेर कोनें नंगारा ला बजादिस .
बिसाहिन: बजावन देना तोला का हे।
बिसाखा: साग सुधारे ल छोंड़ के नांचे बर धर लेंव।तोर कका देखिस तहां लौड़ी म फेंक के मोला मार मारिस .
बिसाहिन: त कोंन मेर परिस काकी.
बिसाखा: मोला नइ परिस हवा भरे टीव ल परिस ओ, लौड़ी उदक के डोकरा के मांथा ल परगे।
बिसाहिन: ए दइा ।त कइसे होगे काकी.
बिसाखा: डोकरा उही मेर चितियागे। देखो देखो होगे, अस्पताल लेगिस त बांचिस। नइते मोर चुरी उतर जतिस नोंनी।
बिसाहिन: तोर नंचई के चक्कर म रोवा राही पर जतिस, ले मैं जाथंव काकी.
बिसाखा : हव अउ आबे नोंनी।
नमस्तुथ्यम....
बिसाहिन: अतेक लम्बा ल नइ केहे सकंव ओ .....